an>

Title: Need to regularize water purifier and R.O. plants in the country.

डॉ. किरिट पी. सोलंकी (अहमदाबाद) : माननीय उपाध्यक्ष जी, मैं पेयजल की सेफ्टी के बारे में प्रश्न उठाना चाहता हूं। अकसर पाया जाता है कि कंटैमिनेशन की वजह से पेयजल दूषित होता है। पिछले दस पन्द्रह सालों से ऐसा पाया जाता है कि विटामिन बी-12 की कमी ज्यादातर लोगों में पाई जाती है। पिछले 15 सालों से एक बात सबके सामने आई है और आज किसी भी डॉक्टर का यदि आप प्रेसक्रिप्शन देखेंगे, इंवैस्टीगेशन देखेंगे तो विटामिन बी-12 उसमें एडवाइज किया जाता है। मैं खुद पेशे से सर्जन हूं। पहले यह बात नहीं होती थी, मेरी समझ के मुताबिक जब से वॉटर प्योरिफायर का जमाना शुरु हुआ है, जब से आर.ओ. प्लांट लगने शुरु हुए हैं, तब से यह परिस्थिति उत्पन्न हुई है। मैं समझता हूं कि वॉटर प्योरिफायर और आर.ओ. प्लांट जो पानी को शुद्ध करता है, जो उपयोगी विटामिन्स होते हैं, जो उपयोगी ट्रेस एलीमेंट्स होते हैं, उनको भी वह फिल्टर कर देता है, इसलिए मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि आजकल जो बाजार में वॉटर फिल्टर्स हैं, जो आर.ओ. प्लांट बेचे जाते हैं, यहां पर स्वयं पेयजल मंत्री उपस्थित हैं, इसलिए मैं भारत सरकार से निवेदन करता हूं कि इस पर एक नियमन करना चाहिए। इसको एक वैज्ञानिक पद्धति से स्क्रूटीनाइज करना चाहिए और उस पर ऑथोरिटी का नियमन होना चाहिए ताकि इस प्रकार की बीमारियां न हो सकें। आजकल सभी जगहों पर लोग होते हैं, उसमें 60 प्रतिशत से भी ज्यादा लोगों में विटामिन बी-12 की कमी पाई जाती है। इसलिए मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से प्रार्थना करता हूं कि वॉटर प्योरिफायर आर.ओ. प्लांट का ठीक तरह से नियमन हो और उसके लिए एक ऑथोरिटी का गठन किया जाए।

HON. DEPUTY SPEAKER: The House stands adjourned to meet tomorrow, the 11th December, 2015 at 11 a.m.

18.38 hours

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Friday, December 11, 2015/Agrahayana 20, 1937 (Saka).

---

* ण्ड्ढ म्श्द अ ड्ढद्धत्ड्ढड्ड ड्डडद्दध्ड्ढ ण्ड्ढ दड्डड्ढ द्दढ ड्ड ग्ड्ढश्ठड्ढद्ध त्दड्डत्हड्डय्ड्ढद्म् ण्ड्डद्य् ण्ड्ढ द्र्वड्ढद्य्त्द्दद ड्ढद्म् ड्डहय्द्वड्डथ्न् ड्डत्ड्ढड्ड द्दद ण्ड्ढ ढथ्द्दद्ध द्दढ ण्ड्ढ Hद्दद्वम्ड्ढ ड्ढ्न् ण्ड्डद्य् ग्ड्ढश्ठड्ढद्ध.

* Eदथ्त्द्रर्ण् य्ध्वड्डदथ्ड्डय्त्द्दद द्दढ ण्ड्ढ म्द्रड्ढड्ढहण् द्दद्धश्त्दड्डथ्न् ड्डड्ढथ्त्ध्ड्ढद्धड्ढड्ड त्द ढ्ढड्ड.

* Eदथ्त्द्रर्ण् य्ध्वड्डदथ्ड्डय्त्द्दद द्दढ ण्ड्ढ म्द्रड्ढड्ढहण् द्दद्धश्त्दड्डथ्न् ड्डड्ढथ्त्ध्ड्ढद्धड्ढड्ड त्द ढ्ढड्ड.

* ग़द्दद्य् डड्ढहद्दद्धड्डड्ढड्ड

* Eदथ्त्द्रर्ण् य्ध्वड्डदथ्ड्डय्त्द्दद द्दढ ण्ड्ढ म्द्रड्ढड्ढहण् द्दद्धश्त्दड्डथ्न् ड्डड्ढथ्त्ध्ड्ढद्धड्ढड्ड त्द एम्ड्डड्ढम्ड्ढ.

* Eन्द्रद्वदड्ढड्ड ड्डम् द्दद्धड्डड्ढद्धड्ढड्ड ड्ढ्न् ण्ड्ढ ण्ड्डत्द्ध.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ य्ड्डडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ड्ढम् थ्ड्डत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ड्ढडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ठ्ढम् थ्ठत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ठ्ठडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ठ्ढम् थ्ठत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ठ्ठडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ठ्ढम् थ्ठत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ठ्ठडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ठ्ढम् थ्ठत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ठ्ठडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ठ्ढम् थ्ठत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ठ्ठडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ठ्ढम् थ्ठत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ठ्ठडथ्ड्ढ.

* Eदथ्त्द्रर्ण् य्द्धठ्ठदथ्ठ्यत्द्दद द्दढ ण्ड्ढ म्द्रड्ढड्ढहण् द्दद्धश्त्दठ्ठथ्न् ड्डड्ढथ्त्ध्ड्ढद्धड्ढड्ड त्द ग्ठ्ठद्धठ्ठय्यन्त्.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ठ्ढम् थ्ठत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ठ्ठडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ठ्ढम् थ्ठत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ठ्ठडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ठ्ढम् थ्ठत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ठ्ठडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ठ्ढम् थ्ठत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ठ्ठडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ठ्ढम् थ्ठत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ठ्ठडथ्ड्ढ.

* च्द्रड्ढड्ढहण् ठ्ढम् थ्ठत्ड्ड द्दद ण्ड्ढ ठ्ठडथ्ड्ढ.

* ग़्दद्य् द्धड्ढहद्दद्धड्डड्ढड्ड.

* ग़्दद्य् द्धड्ढहद्दद्धड्डड्ढड्ड.

* ग़्दद्य् द्धड्ढहद्दद्धड्डड्ढड्ड.

* Eदथ्त्द्रर्ण् य्द्धठ्ठदथ्ठ्यत्द्दद द्दढ ण्ड्ढ म्द्रड्ढड्ढहण् द्दद्धश्त्दठ्ठथ्न् ड्डड्ढथ्त्ध्ड्ढद्धड्ढड्ड त्द ख्ठ्ठदद्दठ्ठड्डठ्ठ.

* ग़्दद्य् द्धड्ढहद्दद्धड्डड्ढड्ड.